भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

मार्च
2018

वानिकी समाचार

वर्ष 10, अंक 3

अनुक्रमणिका

पृ.सं.	शीर्षक
01	महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
02	प्रकाशन
02	वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला
02	कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
03	आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना
04	प्रशिक्षण कार्यक्रम
06	पेटेंट
07	राजभाषा समाचार
07	गणमान्य व्यक्तियों का दौरा
07	विविध
07	पुरस्कार
08	परामर्शी
08	मानव संसाधन समाचार

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्षः

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरू

- कर्नाटक वन विभाग द्वारा रोपित *पी.पिन्नाटा* के प्रदर्शन का आकलन उपज क्षमता के आधार पर 264 कृंतकों में से 157 कृंतकों को एकत्रित कर किया गया। महालनोबिस सांख्यिकी और टॉचर तकनीक द्वारा उत्कृष्ट जननद्रव्य का चयन तेल तथा फली/बीज प्राचलों के आधार पर किया गया। 125 ग्राम वजन के 100 बीजों के साथ 34.9% से अधिक की तेल मात्रा वाले श्रेष्ठ क्लस्टर चुने गये। क्लेफ्ट ग्राफ्टिंग विधि एवं वानस्पतिक गुणन बाग (वी.एम.जी.) द्वारा कृन्तक प्रवर्धन प्राप्त किया गया और तीन कृषि–जलवायुवीय क्षेत्रों के अंतर्गत बहु–स्थाने परीक्षण (एम.एल.टी.) स्थापित किए गए। बहु–स्थाने परीक्षण के अंतर्गत रोपित *पी.पिन्नाटा* के पच्चीस कृन्तकों का औसत विकास प्रदर्शन हेतु मूल्यांकन किया गया और वॉल्यूम इंडेक्स की गणना द्वारा ज्ञात हुआ कि सी.एस. कवल (1331.50 सेमी^{3}) और बाथनहल्ली (1185.20सेमी.^{3}) के कृन्तक मकाली से उत्कृष्ट हैं।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- परियोजना ''जोधपुर के विभिन्न सामुदायिक रिजर्वों में जैव विविधता, विकास योजना तथा जागरूकता प्रसार हेतु लोगों की भागीदारी का आकलन'' के अंतर्गत विभिन्न भू–उपयोगों में सामाजिक आर्थिक, वन्यजीव और वनस्पति स्थिति हेतु 26 ग्रामों का सर्वेक्षण किया गया। 'गौचर' क्षेत्रों में *साल्वाडोरा ओलेओइड्स, कैपेअरिस डेसिडुआ, अकेशिआ टोर्टिलिस* और *प्रोसोपिस ज्यूलीफ्लोरा* बहुलता में है। जबकि 'ओरांस' में जिजिफस न्यूम्युल्युलिया और *प्रोसोपिस सिनेरिया* बहुल हैं। कृषि भूमियों में पी.सिनेरिया का वर्चस्व है, लेकिन वन भूमि पर *ए.टोर्टिलिस* का वर्चस्व है। घासों में, अधिकांश क्षेत्र *डैक्टिलोक्टेनियम सिंडिकम* से बहुल है।
- कृषि वानिकी परियोजना ''राजस्थान में मृदा उर्वरता एवं फसल उत्पादन पर वृक्ष के प्रभावों का अध्ययन'' में, सभी कृषि वानिकी पद्धतियों में फसलों में न्यूनीकरण देखा गया। *प्रोसोपिस सिनेरिया* में न्यूनीकरण सबसे कम (17.3), जबकि *साल्वाडोरा ओलेओइड्स* आधारित कृषि वानिकी पद्धति में फसल उपज में अधिकतम न्यूनीकरण (61.1) था। पारंपरिक और उन्नत कृषि वानिकी पद्धति के आर्थिक प्रतिलाभों पर कार्य किया गया है। कोटा जिले में *एकेशिया निलोटिका* के साथ धान/गेहूं आधारित पद्धति में आर्थिक प्रतिलाभ सर्वोच्च (रू. 132500/हेक्टेयर) था, इसके बाद श्री गंगा नहर जिले में सिंचित स्थितियों के अंतर्गत *डलबर्जिया सिस्सू* के साथ कपास/गेहूं आधारित कृषि वन–संवर्धन पद्धति में आर्थिक प्रतिलाभ रू 1210700/हेक्टेयर था। अति–शुष्क क्षेत्रों जैसे चुरू और बाड़मेर जिलों में आर्थिक लाभ न्यूनतम (रू. 565–12922) था। हालांकि अति–शुष्क क्षेत्रों में बहुत कम बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में फसल की विफलता देखी गई। सवाई माधोपुर जिले में अमरूद आधारित कृषि–बागवानी पद्धति में आर्थिक प्रतिलाभ सर्वोच्च (रू. 126653/हेक्टेयर/वर्ष) था, इसके बाद सिंचित स्थितियों के तहत बाड़मेर जिले में कलमित बेर (रू.106750/हेक्टेयर/वर्ष) और अनार (रू. 89503/हेक्टेयर/वर्ष) आर्थिक प्रतिलाभ था।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- *थिसानोप्लूसिया ओरीचैल्सिया* को सौसुरिया कॉस्टस (फेल) लिप्सच के मुख्य निष्पत्रक के रूप में पाया गया है, इसे स्थानीय रूप से कुथ कहा जाता है, यह 70–80 प्रतिशत

पत्तियों के निष्पत्रण का कारक है, इसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में 40 प्रतिशत का नुकसान होता है। गहन अध्ययन के बाद, संस्थान ने पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय रूप से दुरस्त कीट नियंत्रण पद्धति की अनुशंसा की है, जिसका उपयोग फसल को नाशी–कीट से सुरक्षित रखने के लिए किया जा सकता है।

प्रकाशनः

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने मैदा छल (लिट्सी ग्लुटिनोसा लॉट) तथा वन पौधालयों में सफेद सूंही के संरक्षण एवं प्रबंधन के प्रतिमान दिशानिर्देशों पर दो तकनीकी बुलेटिन, हॉफ डिकेड ऑफ रिसर्च (2012–17) पर एक ब्रॉशर तथा उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान पर एक पैम्फलेट प्रकाशित किए।

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेलाः

संस्थान	प्रतिभाग/आयोजन	समयावधि	स्थान
का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरू	भारत काष्ठ प्रर्दशनी	8–12 मार्च 2018	बंगलुरू
उ.व.अ.सं., जबलपुर	स्वरोजगार मेला	15 मार्च 2018	सरकारी विज्ञान कॉलेज, जबलपुर
व.व.अ.सं., जोरहाट	कृषि उन्नति मेला– 2018	15–18 मार्च 2018	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पुसा, नई दिल्ली

स्वरोजगार मेले के दौरान उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के स्टॉल का एक दृश्य

कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें:

कृ.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	व.आ.वृ.प्र.सं. की 17वीं संस्थागत जैव–सुरक्षा समिति की बैठक	12 मार्च 2018	संस्थान के 6 वैज्ञानिक
2.	वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन तथा इनका संरक्षण–एक पर्यवलोकन–आवधिक संगोष्ठी	7 मार्च 2018	संस्थान के 81 कार्मिक (संस्थान के सभी अधिकारी, वैज्ञानिक, कार्मिक तथा अनुसंधान अध्येता)
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरू		
3.	सहयोगपूर्ण अनुसंधान	20 मार्च 2018	का.वि.प्रौ.सं. तथा भारतीय विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्य

	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
4.	कृषि वानिकी पर संस्थान स्तर संगोष्ठी	16 मार्च 2018	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक / तकनीकी कर्मचारी / शोध अध्येता, राजस्थान वन विभाग, के.वी.के., सी.ऐ.जेड.आर.आई., कृषि विभाग एवं कृषकों के प्रतिनिधि
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
5.	वानिकी में उपयोग हेतु जैव कीटनाशकों एवं जैव–उर्वरकों का विकास	27 मार्च 2018	वैज्ञानिकों अधिकारियों सहित तकनीकी सहायता कार्मिक
6.	हिमाचल प्रदेश में *पाईनस जेरार्डियाना* एवं महत्वपूर्ण जंगली मशरूमों में वैज्ञानिक हस्तक्षेपों द्वारा आजीविका सृजन में सुधार पर अध्ययन	29 मार्च 2018	–

हिमाचल प्रदेश में *पाईनस जेरार्डियाना* एवं महत्वपूर्ण जंगली मशरूमों में वैज्ञानिक हस्तक्षेपों द्वारा आजीविका सृजन में सुधार पर अध्ययनों पर बैठक

	बांस एवं बेंत उच्च अनुसंधान केन्द्र, आइजॉल		
7.	बांस एवं बेंत उच्च अनुसंधान केन्द्र के क्रियाकलाप तथा रेड्ड+ प्रायोगिक परियोजना की प्रगति	13–14 मार्च 2018	—

आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनानाः

कार्यक्रम शीर्षक	चैनल	दिनांक
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	
वन संरक्षण एवं पर्यावरण	आकाशवाणी	21 मार्च 2018

प्रशिक्षण कार्यक्रमः

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभ हेतु वृक्ष जनित तिलहन	5–6 मार्च 2018	कृषक/वृक्ष उत्पादक/नर्सरी उद्यमी और गैर सरकारी संगठनों के 23 प्रतिनिधि

आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभ हेतु वृक्ष जनित तिलहनों पर प्रशिक्षण

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरू		
2.	पादप रासायनिक विश्लेषण हेतु यंत्रीकरण तकनीकियां	5–7 मार्च 2018	रमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, सांइस एंड कॉमर्स, बंगलुरू के छात्र
3.	काष्ठ अभियान	13–14 मार्च 2018	कॉलेज ऑफ फारेस्टरी, पोन्नमपेट बंगलुरू के 15 छात्र
4.	काष्ठ विज्ञान की तकनीकियां	21–23 मार्च 2018	टी.एस.एफ. डी.– फॉरेस्टरी कालेज एंड रिसर्च इंसटीयूट, मुलूगु के बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष के 49 छात्र
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
5.	वानिकी में जैव उर्वरकों का अनुप्रयोग	11 और 23 मार्च 2018	मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग के रीवा आर एंड ई सर्किल तथा इंदौर आर एंड ई सर्किल के कार्मिक
6.	यंत्रीकरण पर प्रशिक्षण	19–23 मार्च 2018	26 छात्र और अनुसंधान पेशेवर

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

7.	जिला परिषद् के अधिकारियों का जलोत्सारण पर प्रशिक्षण	24 मार्च 2018	जिला परिषद् के 35 अधिकारी
8.	चंदन की वैज्ञानिक कृषि पर प्रशिक्षण	27 मार्च 2018	40 कृषक
9.	चंदन की वैज्ञानिक कृषि पर प्रशिक्षण	30 मार्च 2018	वन विभाग के 50 अधिकारी तथा अन्य

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

10.	बांस की कृषि, प्रसार तकनीकें और नर्सरी प्रबंधन	7–8 मार्च 2018	गोलोघाट, असम के सात कृषक
11.	कौशल विकास	10–11 मार्च 2018	42 जे.एफ.एम.सी. सदस्य, गैर संगठनों के सदस्य, छात्र एवं कृषक

बांस की कृषि, प्रसार तकनीकें और नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण

कौशल विकास पर प्रशिक्षण

12.	बांस कृषि, प्रसार तकनीकें, नर्सरी प्रबंधन, कृमीखाद, अगर काष्ठ कृषि, कृषि वानिकी एवं सुगंधित औषधीय पौध	13–14 मार्च 2018	मुकोकचुंग, नगालैंड के 35 जे.एफ.एम.सी. सदस्य
13.	अगरकाष्ठ एवं मशरूम कृषि	16 और 26 मार्च 2018	फेसुअल, जोरहाट के 35 गैर सरकारी संगठनों के सदस्य एवं स्थानीय कृषक
14.	सामान्य वानिकी आनुवंशिकी सुधार, प्रसार तकनीकें और नर्सरी पद्धतियां, बांस एवं इसका महत्व, चयन, अभिज्ञान एवं संर्वधन पद्धतियां, प्रसार, ऊतक संर्वधन, संरक्षण तकनीकें, मृदा विज्ञान, अगरकाष्ठ एवं मशरूम कृषि	17–19 मार्च 2018	असम फारेस्ट स्कूल, जालुकबारी (असम) के 32 वन प्रशिक्षु

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
15.	वानिकी में माइकोराइजी का अनुप्रयोग तथा नाशी–कीटों व बीमारियों का पर्यावरण–अनुकूल प्रबंधन	7–8 मार्च 2018	हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग के अग्र पंक्ति कार्मिक और राज्य के कॉलेज छात्र
16.	निम्नीकृत क्षेत्रों का पारि–पुनरूद्धार	14–16 मार्च 2018	खंड विकास कार्यालय, निचार के18 अधिकारी तथा किन्नौर व शिमला पंचायतों के प्रतिनिधि
वन उत्पादकता संस्थान, रांची			
17.	पारंपरिक और गैर–परंपरागत मेजबान वृक्षों पर लाख कृषि की तकनीकें	26 मार्च 2018	झारखंड राज्य के चंदवा, लातेहार जिलों के 29 मुखिया और पंचायत सदस्य
18.	कृमि खाद का उत्पादन एवं उपयोग	27 मार्च 2018	मंडर खंड के 28 कृषक
वन आजीविका तथा विस्तार केन्द्र, अगरतला			
19.	पर्यावरण एवं वन मंजूरी में प्रक्रिया सार्वजनिक भागीदारी को सुदृढ़ बनाना	14 मार्च 2018	पश्चिम त्रिपुरा के मंडी परिषद् से 15 प्रतिभागी
20.	बांस संरक्षण, जोड़ बढ़ईगिरी तकनीकियां तथा चटाई बुनना	25–26 मार्च 2018	पश्चिम त्रिपुरा के बरगाछिआ क्षेत्र से 29 प्रतिभागी

पर्यावरण एवं वन मंजूरी प्रक्रिया में सार्वजनिक भागीदारी को सुदृढ़ बनाने पर प्रशिक्षण

बांस संरक्षण, जोड़ व बढ़ईगिरी तकनीकियों तथा चटाई बुनने पर प्रशिक्षण

पेटेंट:

- संवहनीय, कम लागत तथा उच्च कठोरता गुणों के बांस रेशों से सुदृढ़ किफायती थर्मोप्लास्टिक सम्मिश्रित तथा इसके उत्पादन हेतु काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलूरू ने 15 मार्च 2018 को आवेदन दर्ज किया। (पेटेंट संख्या: 201841009278)

राजभाषा समाचारः

- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जलबपुर ने 22 मार्च 2018 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की।
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने 20 मार्च 2018 को संस्थान के विभिन्न अनुसंधान प्रभागों तथा संभागों के नामांकित पदाधिकारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया।
- हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 12 मार्च 2018 को संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अक्टूबर से दिसम्बर 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान राजभाषा की प्रगति से संबन्धित कार्यों की समीक्षा की गई तथा इसमें और अधिक सुधार लाने हेतु सदस्यों द्वारा सुझाव भी दिए गए।

गणमान्य व्यक्तियों का दौराः

- श्री. सी.के. मिश्रा, भारतीय प्रशासनिक सेवा, सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने 23 मार्च 2018 को वन आनुवंशिक एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होने, लाल इमली के फल, *टेमरिंडस इंडिका* वर रोडोकार्पा से निष्कर्षित प्राकृतिक रंजक ''तारा रेड'' को जारी किया। जैम बनाने की विधि में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया। इस रंजक का उपयोग खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों, सौंदर्य–प्रसाधन सामग्रियों में भी किया जा सकता है।
- डॉ. डेविड मोल्डन, महानिदेशक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड़ माऊन्टेन डेवलपमेंट (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.) ने 13–14 मार्च 2018 बांस एवं बेंत उच्च अनुसंधान केन्द्र, आइजॉल का दौरा किया तथा उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां रेड्ड+ हिमालय परियोजना कार्यान्वित की जा रही है।

विविधः

संस्थान	विशेष दिन/विषयवस्तु	समयावधि
व.व.अ.सं., जोरहाट	स्वच्छ भारत मिशन	8,15,22 मार्च 2018
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2018	21 मार्च 2018
शु.व.अ.सं., जोधपुर		
हि.व.अ.सं., शिमला		
शु.व.अ.सं., जोधपुर	विश्व जल दिवस 2018	22 मार्च 2018

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2018

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में विश्व जल दिवस 2018

पुरस्कारः

- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट को नगर राजभाषा समिति की उत्तर–पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट में 01 मार्च 2018 को आयोजित 33वीं बैठक में वर्ष 2016–17 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किया गया।

परामर्शी:

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

- टिहरी हाइड्रो डेवलेपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक राज्य आधिकारिक प्राधिकरण; उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि.; पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, नोएडा; सी.एम.पी.डी.आई., रांची तथा एन.एम.डी.सी.लि.; हैदराबाद द्वारा प्रदत्त 11 परामर्शी परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

मानव संसाधन समाचार:

पदोन्नति

पदोन्नति	कार्यग्रहण की तिथि
श्री सरदार सिंह चौहान, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प.	07.03.2018
श्री प्रेम लाल, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प.	12.03.2018

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
श्री रंजीत सिंह, अनुसंधान अधिकारी वर्ग –।	31.03.2018
श्री जवाहर सिंह, तकनीकी अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून	31.03.2018

संरक्षक:

डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक

संपादक मंडल:

श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)

श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों की अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।